Approved Vide Memo No. MUC/RG/AC/22-23/14, Date 31/07/2023

Course No-114101.1

Course Code: 114101.1

Title of The Course : অসমীয়া সাহিত্যৰ পৰ্যালোচনা (নিৰ্বাচিত পাঠৰ আধাৰত)

MIL

Total Credit : 04

Total Marks : 100(70+30)

পাঠ্যক্ৰম উদ্দেশ্য :

১। এই পাঠ্যক্ৰম পঢ়িলে অসমীয়া সাহিত্যৰ সৈতে ছাত্ৰ-ছাত্ৰীৰ পৰিচয় হ'ব।

২। এই পাঠ্যক্ৰমৰ অসমীয়া সাহিত্যৰ গতি-প্ৰকৃতি আৰু ধাৰা সম্পৰ্কে বুজিব পাৰিব।

পাঠ্যক্ৰম ফলাফল :

১। এই কাকতখন পঢ়িলে অসমীয়া সাহিত্যৰ কাহিনীযুক্ত আৰু বিযুক্ত সাহিত্য সমূহৰ লগত পৰিচয় ঘটিব বা ধাৰণা লাভ কৰিব।

২। কাহিনীযুক্ত আৰু কাহিনী বিযুক্ত অসমীয়া সাহিত্যৰ বৈচিত্ৰ সম্পৰ্কে জ্ঞান লাভ কৰিব।

UNIT	TOPIC	Lecture	Tutorial	Practical
১	**অসমীয়া সাহিত্যৰ পৰ্যালোচনা**	১৪	২	
২	তাজমহল : চন্দ্ৰ কুমাৰ আগৰৱালা পুৰা : হেমচন্দ্ৰ গোস্বামী ধনৰ আৰু ৰতনী : লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱা ফুলশয্যা : ৰঘুনাথ চৌধুৰী ইয়াত নদী আছিল : নৰকান্ত বৰুৱা	১২	২	
৩	**গদ্য (নিৰ্বাচিত)** কথা গুৰু চৰিত (নিৰ্বাচিত অংশ) (সম্পা.) : উপেন্দ্ৰ চন্দ্ৰ লেখাৰু ইংলেণ্ডৰ ভ্ৰমন : আনন্দৰাম ঢেকিয়াল ফুকন বিজ্ঞান আৰু সভ্যতা : কুলেন্দু পাঠক	১২	১	
৪	**চুটিগল্প** ১। এন্দুৰ : ভবেন্দ্ৰ নাথ শইকীয়া ২। উদং বাকচ : মামনি ৰয়চম গোস্বামী	১২	১	

প্ৰসঙ্গ পুথি :

- কথা গুৰু চৰিত (সম্পা.) : উপেন্দ্ৰ চন্দ্ৰ লেখাৰু
- সঞ্চয়ন (সম্পা.) : মহেশ্বৰ নেওগ

- চন্দ্র কুমাৰ আগৰৱালাৰ কবিতা সমগ্ৰ ঃ নগেন শইকীয়া
- নতুন কবিতা আৰু প্ৰকৃতি ঃ নির্মল প্ৰভা বৰদলৈ
- ৰোমান্টিক কবিৰ কাব্য বিচাৰ ঃ বসন্ত কুমাৰ শর্মা
- অঙ্কমালা ঃ (সম্পা.) কেশৱানন্দ দেৱ গোস্বামী
- আধুনিক অসমীয়া কবিতা ঃ কামালুদ্দিন আহমেদ
- ৰমন্যাসবাদ আৰু লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱাৰ কবিতা ঃ কামালাদ্দিন আহমেদ
- অসমীয়া কবিতা ঃ কৰবী ডেকা হাজৰিকা
- নতুন কবিতা ঃ মহেন্দ্র বৰা
- অসমীয়া নতুন সাহিত্য ঃ সত্যেন্দ্রনাথ শর্মা
- অসমৰ নাট্য পৰিক্রমা (সম্পা.)ঃ সুব্রত জ্যোতি নেওগ
- অসমীয়া উপন্যাস পৰিক্রমা (সম্পা.) ঃ অমল চন্দ্র দাস
- অসমীয়া সাহিত্যৰ ইতিহাস ঃ আনন্দ বৰমুদৈ
- অসমীয়া উপন্যাসৰ ভূমিকা ঃ সত্যেন্দ্রনাথ শর্মা

****

Course No-114101.2

पाठ्यचर्या शीर्षक: हिन्दी भाषा उद्भव और विकास

(AEC- MIL)

Semester I

Total Credit: 04

Total Marks: 100 (30+70)

उद्देश्य: इस पाठ्यचर्या के निर्माण का उद्देश्य है विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा के उद्भव और विकास के संदर्भ में अवगत कराना और हिन्दी भाषा का व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यचर्या से लाभ: इस पाठ्यचर्या को पढ़ने के बाद आप

1. हिन्दी भाषा के उद्भव और विकास के संदर्भ में जान पाएंगे।
2. हिन्दी भाषा के वर्ण-व्यवस्था तथा उच्चारण व्यवस्था के बारे में जान पाएंगे।
3. व्यवहारिक स्तर पर मौखिक और लिखित रूप से हिन्दी भाषा का व्यवहार करने में सक्षम होंगे।

Unit	Topic	Lecture	Tutorial	Practical
I	**भाषा का स्वरूप एवं हिन्दी भाषा** • भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप • हिन्दी भाषा की विशेषताएँ: क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विशेषण एवं अव्यय	10	2	Nil
II	**हिन्दी की वर्ण-व्यवस्था** • स्वर एवं व्यंजन • स्वर के प्रकार- ह्रस्व, दीर्घ तथा संयुक्त	10	4	Nil
III	हिन्दी वर्णों की उच्चारण व्यवस्था • व्यंजन के प्रकार- स्पर्श, अंत्यस्थ,ऊष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोष तथा अघोष • वर्णों का उच्चारण स्थान: कंठ्य,तालव्य, मुर्द्धन्य, दंत्य, औष्ठ्य तथा दंतोष्ठ्य • बालाघाट, संगम, अनुतान तथा संधि	10	5	Nil

IV	**भाषाई संप्रेषण और हिन्दी भाषा** • भाषा संप्रेषण के चरण: श्रवण, अभिव्यक्ति, वाचन तथा लेखन • हिन्दी वाक्य संरचना, वाक्य और उपवाक्य/ वाक्य भेद/ वाक्य रूपान्तरण • भावार्थ और व्याख्या, आशय, लेखन, विविध प्रकार के पत्र लेखन	10	5	Nil

Total Lecture of 1 hour duration :40

Total Tutorial of 1 hour duration :16

Total Practical of 1 hour duration : Nil

Total Credit : 04

Reference:

- हिन्दी व्याकरण और रचना- डॉ. वासुदेव नन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना
- हिन्दी भाषा- डॉ. हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहावाद
- हिन्दी की प्रकृति और शुद्ध प्रयोग- डॉ. ब्रजमोहन, वाणी प्रकाशन
- हिन्दी का विवरणात्मक व्याकरण- डॉ. लक्ष्मीनारायण शर्मा
- हिन्दी भाषा- डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

***

Course Code: 114101.3

Course Title : संस्कृत भाषायाः प्राथमिक धारणाः

(সংস্কৃত ভাষাৰ প্ৰাথমিক ধাৰণা)

(AEC- MIL)

Semester I

Total Credit: 04

Total Marks: 100(70+30)

Objective:
1. To know about the basic knowledge in Sanskrit.
2. To create awareness about verbal forms in Sanskrit.
3. To create the skills of communication and writing in Sanskrit

Unit	Subject	Lecture	Tutorial	Practical
1	संस्कृतवर्णमाला परिचयः – स्वरवर्णाः, व्यञ्जनवर्णाः, संयुक्तवर्णाश्च वर्गोच्चारणाभ्यासः, लेखनाभ्यासाश्च। शब्दपरिचयः – संज्ञा – सर्वनाम –विशेषण –हलन्तविसर्गपरिचयः, शुद्धा शुद्धशाब्दानां विचारश्च । সংস্কৃত বৰ্ণমালাৰ পৰিচয় - স্বৰবৰ্ণ, ব্যঞ্জনবৰ্ণ, যৌগিক বৰ্ণ শ্ৰেণী উচ্চাৰণ অভ্যাস আৰু লিখাৰ অভ্যাস। শকৰ পৰিচয়- বিশেষ্য, সৰ্বনাম, বিশেষণ, বিভক্তি আৰু ব্যঞ্জন বৰ্ণৰ পৰিচয়।	08	2	Nil
2	विभक्ति – पुरूष लिङ्ग – वचनपरिचयः (सप्रयोग) বিভক্তিৰ পৰিচয়- পুৰুষ - লিংগ - বচনৰ পৰিচয় (ব্যৱহাৰৰ সৈতে)	10	2	Nil
3	धातुपरिचयः, शब्दरूपपरिचयः(ধাতু আৰু শব্দ ৰূপৰ পৰিচয়।	08	2	Nil
4	कालिदासस्य अभिज्ञानशकुन्तलम् - प्रथम् अङ्क, चतुर्थ अङ्क च (কালিদাসৰ অভিজ্ঞানম শকুন্তলা - ১ম আৰু ৪থ খণ্ড)	10	2	Nil
	Total	**46**	**10**	

Total Lecture of One hour duration: 46

Total Tutorial of one hour Duration: 10

Total Credit:04

References:

1. *VAIYĀKARAṆA SIDDHĀNTA KAUMUDI*, Balmanorama Commentary, Editor Gopal Sastri Nene, Chaukhambha Prakashan. Varanasi
2. Sanskrit Vyakaran Prabha
3. Sanskrit Prabesh Vyakaran
4. Abhijnana Sakuntalam of Kalidasa
5. *History of Sanskrit Literature*, also Hindi translation, A. B. Keith, Delhi.
6. *History of Classical Sanskrit Literature, A. B. Keith*, Delhi.
7. *A Concise History of Sanskrit Literature*, Gaurinath Shastri, Delhi.
8. *Indian Literature* (Vol. I-III), also Hindi Translation**,** M**.** Winternitz, Delhi
9. *Vedar Parichay*, Jogiraj Bose, Guwahati.
10. *Sahitya-Darsana*, A. M. Sastri, Acha, Guwahati.
11. *Sahityavidya Parikrama*, Tirtha Nath Sarma:, Guwahati, 10th edn., 2008
12. *Sahitya Tattva aru Samalochana*, M. M. Sarmah, Guwahati.
13. *Nandantattva Prachya aru Prachatya*, Trailokya Nah Goswami, Guwahati.
14. *An Introduction to Purāṇas*, Nag Sharan Singh, Delhi, 1st edn., 1985

***